देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

बुनियादी ढांचे के एकीकृत दृष्टिकोण को महत्व... 12

हमारी शिक्षा व्यवस्था का लक्ष्य देश को विश्वगुरू... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 14 | अंक: 33
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
रविवार | 13 नवम्बर, 2022

हैप्पी एवं सुपर सीडर से करें रबी की बुवाई

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर कानपुर देहात द्वारा बीते दिन शनिवार को विकासखंड रसूलाबाद के ग्राम पिटूरा समायूं में कृषक उदय सिंह राजपूत के प्रक्षेत्र पर हैप्पी सीडर द्वारा गेहूं की बुवाई का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि इस यंत्र से किसान पराली प्रबंधन भी कर सकते हैं। इससे जहां समय की बचत होती है वहीं फसल से पैदावार भी अच्छी होती है। डॉक्टर खलील खान ने किसानों से आवाहन किया कि फसल अवशेष को काटकर खेत में ही मिलाएं। प्रगतिशील कृषक उदय सिंह राजपूत ने बताया कि वे करीब 4 एकड़ धान की रोपाई करते हैं उन्होंने पिछले दो-तीन वर्षों से फसल अवशेषों में आग नहीं लगाई है। नतीजा जमीन की उर्वरा शक्ति अच्छी हुई। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डॉ विनोद प्रकाश, डॉ0 अरुण कुमार सिंह के अतिरिक्त शरद कुमार सिंह, गौरव शुक्ला सहित प्रगतिशील कृषक मुकेश राजपूत, संतराम, अनिल कुमार एवं सियाराम तथा पूर्व प्रधान जगदीश सिंह आदि उपस्थित रहे।

हैप्पी एवं सुपर सीडर से करें रबी फसल की बुवाई

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर द्वारा ग्राम पिटूरा समायूँ में कृषक उदय सिंह राजपूत के प्रक्षेत्र पर हैप्पी सीडर द्वारा गेहूं की बुवाई का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि इस यंत्र से किसान पराली प्रबंधन भी कर सकते हैं। इससे जहां समय की बचत होती है वही फसल से पैदावार भी अच्छी होती है। उन्होंने बताया कि फसल अवशेष जलाने से पर्यावरण प्रदूषित होता है। जमीन में उपस्थित लाभदायक जीवाणु भी नष्ट हो जाते हैं। तथा जमीन की उपजाऊ शक्ति खत्म हो जाती है। डॉक्टर खलील खान ने किसानों से आवाहन किया कि फसल अवशेष को काटकर खेत में ही मिलाएं उन्होंने बताया कि आधुनिक कृषि यंत्रों से किसान आसानी से धान,बाजरा,ज्वार आदि फसलों की कटाई के उपरांत सीधे खेतों में बिजाई कर सकते हैं। प्रगतिशील कृषक उदय सिंह राजपूत ने बताया कि वे करीब 4 एकड़ धान की रोपाई करते हैं उन्होंने पिछले दो-तीन वर्षों से फसल अवशेषों में आग नहीं लगाई है। नतीजा जमीन की उर्वरा शक्ति अच्छी हुई। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डॉ विनोद प्रकाश, डॉ अरुण कुमार सिंह के अतिरिक्त शरद कुमार सिंह, गौरव शुक्ला सहित प्रगतिशील कृषक मुकेश राजपूत,संतराम, अनिल कुमार एवं सियाराम तथा पूर्व प्रधान जगदीश सिंह सहित अन्य किसान उपस्थित रहे।

वर्ष 16 अंक 309 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, रविवार 13 नवम्बर 2022

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

दैनिक

नगर छाया

आप की आवाज़.....

RNI N.UPHIN/2007/27090

www.nagarchhaya.com

8

खूंखार थलाइवन के रोल के लिए सुनील शेट्टी ने बढ़ा

हैप्पी एवं सुपर सीडर से करें रबी बुवाई व फसल प्रबंधन

➤होगा अधिक लाभ

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर द्वारा आज ग्राम पिटूरा समायूँ में कृषक उदय सिंह राजपूत के प्रक्षेत्र पर हैप्पी सीडर द्वारा गेहूं की बुवाई का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि इस यंत्र से किसान पराली प्रबंधन भी कर सकते हैं। इससे जहां समय की बचत होती है वही फसल से पैदावार भी अच्छी होती है। उन्होंने बताया कि फसल अवशेष जलाने से पर्यावरण प्रदूषित होता है। जमीन में उपस्थित लाभदायक जीवाणु भी नष्ट हो जाते हैं। तथा जमीन की उपजाऊ शक्ति खत्म हो जाती है। डॉक्टर खलील खान ने किसानों से आवाहन किया कि फसल अवशेष को काटकर खेत में ही मिलाएं उन्होंने बताया कि आधुनिक कृषि यंत्रों से किसान आसानी से धान,बाजरा,ज्वार आदि फसलों की कटाई के उपरांत सीधे खेतों में बिजाई कर सकते हैं। प्रगतिशील कृषक उदय सिंह राजपूत ने बताया कि वे करीब 4 एकड़ धान की रोपाई करते हैं उन्होंने पिछले दो-तीन वर्षों से फसल अवशेषों में आग नहीं लगाई है। नतीजा जमीन की उर्वरा शक्ति अच्छी हुई। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डॉ विनोद प्रकाश, डॉ अरुण कुमार सिंह के अतिरिक्त शरद कुमार सिंह, गौरव शुक्ला सहित प्रगतिशील कृषक मुकेश राजपूत,संतराम, अनिल कुमार एवं सियाराम तथा पूर्व प्रधान जगदीश सिंह सहित अन्य किसान उपस्थित रहे।

हैप्पी एवं सुपर सीडर से करें रबी बुवाई, फसल प्रबंधन से अधिक लाभ

कानपुर, 12 नवम्बर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर की ओर से आज ग्राम पिटूरा समायूँ में कृषक उदय सिंह राजपूत के प्रक्षेत्र पर हैप्पी सीडर द्वारा गेहूं की बुवाई का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि इस यंत्र से किसान पराली प्रबंधन भी कर सकते हैं। इससे जहां समय की बचत होती है वही फसल से पैदावार भी अच्छी होती है। उन्होंने बताया कि फसल अवशेष जलाने से पर्यावरण प्रदूषित होता है। जमीन में उपस्थित लाभदायक जीवाणु भी नष्ट हो जाते हैं। तथा जमीन की उपजाऊ शक्ति खत्म हो जाती है। डा. खलील खान ने किसानों से आवाहन किया कि फसल अवशेष को काटकर खेत में ही मिलाएं उन्होंने बताया कि आधुनिक कृषि यंत्रों से किसान आसानी से धान,बाजरा, ज्वा आदि फसलों की कटाई के उपरांत सीधे खेतों में बिजाई कर सकते हैं। प्रगतिशील कृषक उदय सिंह राजपूत ने बताया कि वे करीब 4 एकड़ धान की रोपाई करते हैं उन्होंने पिछले दो-तीन वर्षों से फसल अवशेषों में आग नहीं लगाई है। नतीजा जमीन की उर्वरा शक्ति अच्छी हुई। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डॉ विनोद प्रकाश, डॉ अरुण कुमार सिंह के अतिरिक्त शरद कुमार सिंह, गौरव शुक्ला सहित प्रगतिशील कृषक मुकेश राजपूत, संतराम, अनिल कुमार एवं सियाराम तथा पूर्व प्रधान जगदीश सिंह सहित अन्य किसान उपस्थित रहे।